SRI HEMABJANAYIKA SAMETHA SRI DEVADHIRAJA SWAMI-TERIZHANDUR.

SRI BOOMI NEELA PADMAVATHI NAYIKA
SAMETHA SRI VENKATESWARA PERUMAL
- SECUNDERABAD(KONERI NAYAKAN) A.P.

कर्णिका:

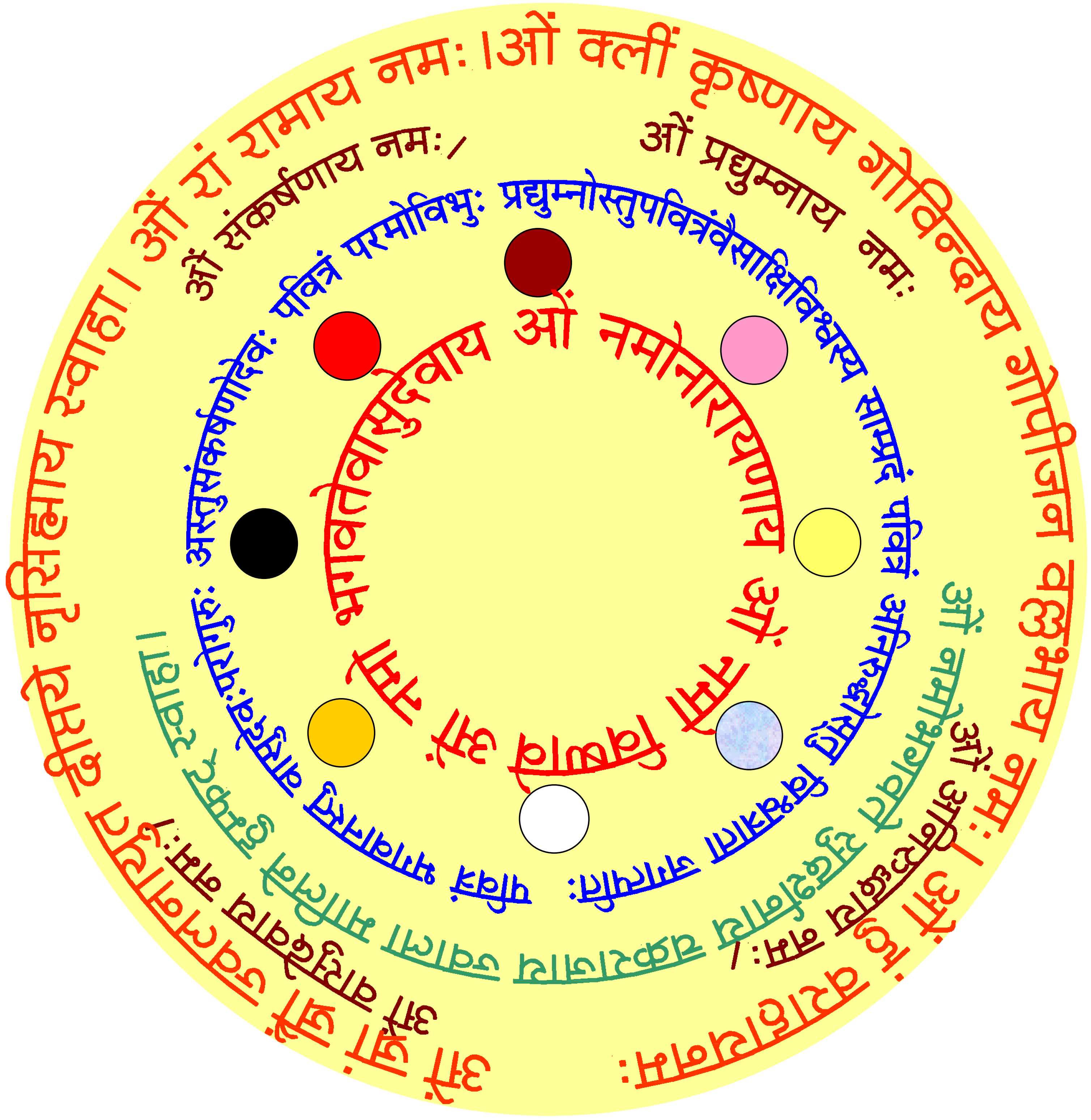
ओं रां रामाय नमः।ओं क्लीं कृष्णाय गोविन्दाय गोपीजन वल्लभाय नमः। ओं हुं वराहायनमः: ओं ज्रां ज्रौं ज्वलनायुत दीप्तये नृसिंहाय स्वाहा।
ओं संकर्षणाय नमः।
ओं प्रद्युम्नाय नमः
ओं अनिरुद्धाय नमः।
ओं वासुदेवाय नमः।
ओं नमोभगवते सुदर्शनाय चक्रराजाय ज्वाला मालिने हुम्फट् स्वाहा।
प्रद्युम्नोस्तुपवित्रंवैसाध्विविश्वस्य साम्प्रदं पवित्रं अनिरुद्धोस्तु विश्वत्राता जगत्पतिः पवित्रं भगवानस्तु वासुदेवःपरोगुरुः अस्तुसंकर्षणोदेवः पवित्रं परमोविभुः
ओं नमोनारायणाय ओं नमो विष्णवे ओं नमो भगवतेवासुदेवाय

केसराणि दळानि

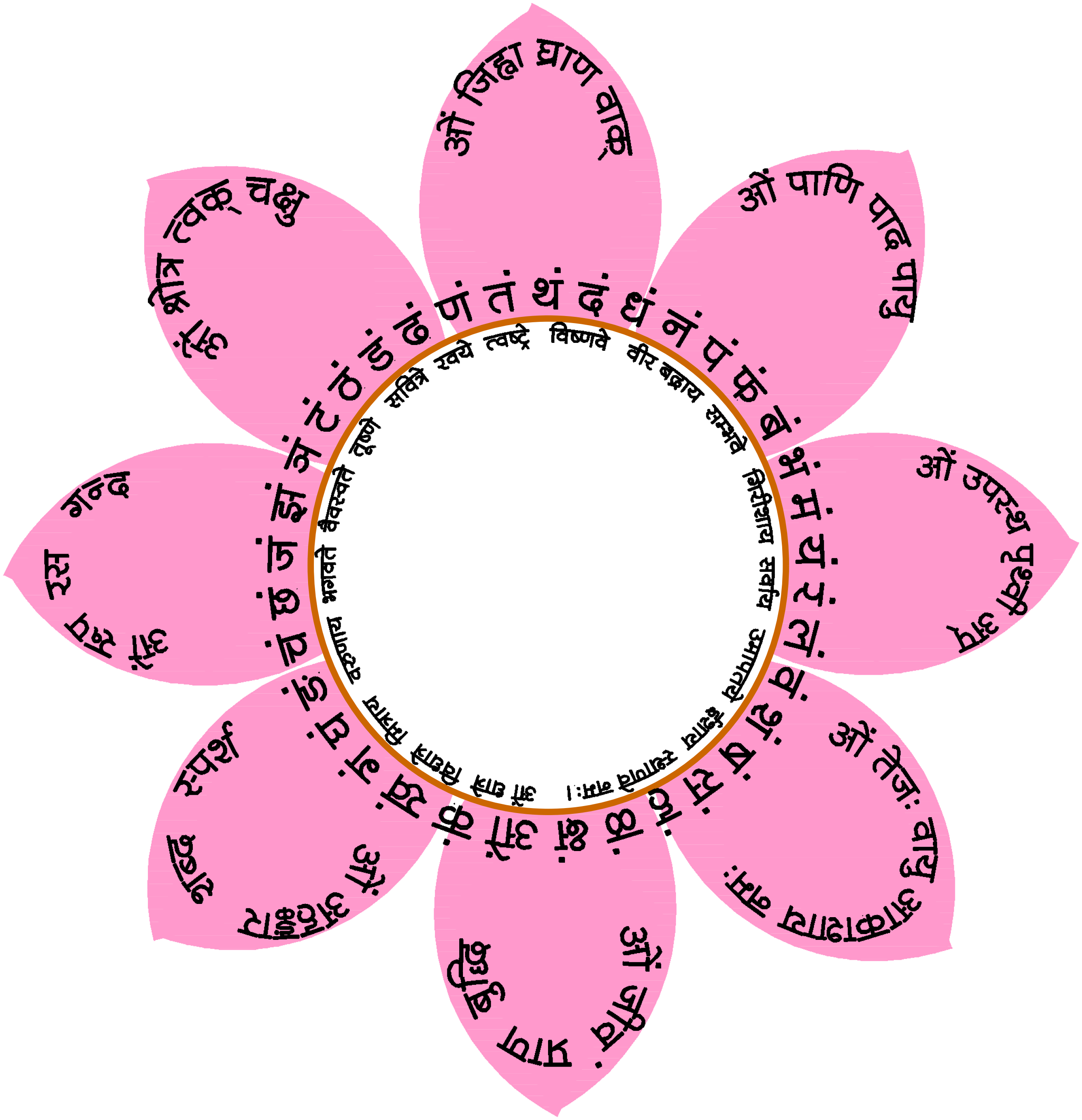
ओं जिह्वा घ्राण वाक्
ओं पाणि पाद पायु
ओं उपस्थ पृथ्वी अप्
ओं तेजः वायु आकाशाय नमः
ओं जीव प्राण बुद्धि
ओं अहंकार शब्द स्पर्श
ओं रूप रस गन्ध
ओं श्रोत्र त्वक् चक्षु

ओं सरस्वत्यै रत्यै शान्त्यै तुष्ट्यै पुष्ट्यै क्रियायै कीर्त्यै वाराह्यै नमः ओं सत्यायै ईशानायै अनुग्रहायै लक्ष्म्यै नमः।

ओं विमलायै उत्कर्षिण्यै ज्ञानायै क्रियात्मिकायै योगिन्यै प्रह्व्यै नमः ओं धात्रे विधात्रे सूर्य चन्द्र काम ब्रह्म विनायक षण्मुख कुबेर शङ्कराय नमः।

ओं कुमुद कुमुदाक्ष पुण्डरीक वामन शङ्कुकर्ण सर्वनेत्र सुमुख सुप्रतिष्ठ जय विजय चण्ड प्रचण्ड भद्र सुभद्राय नमः

ओं श्रीधराय नमः ओं मत्स्याय नमः ओं हयग्रीवाय नमः ओं वासुदेवाय नमः ओं वराहाय नमः ओं कूर्माय नमः ओं भार्गव रामाय नमः ओं नारसिंहाय नमः ओं वामनाय नमः ओं राघवाय नमः ओं बुद्धाय नमः

ओं केशव नारायण माधव गोविन्द विष्णवे मधुसूदन त्रिविक्रम वामन श्रीधर हृषीकेश पद्मनाभ दामोधराय नमः ओं अत्रि बृगु कुत्स वसिष्ठ आङ्गीरस विश्वामित्र काश्यपाय नमः

पदाद्धाणि

अराणि

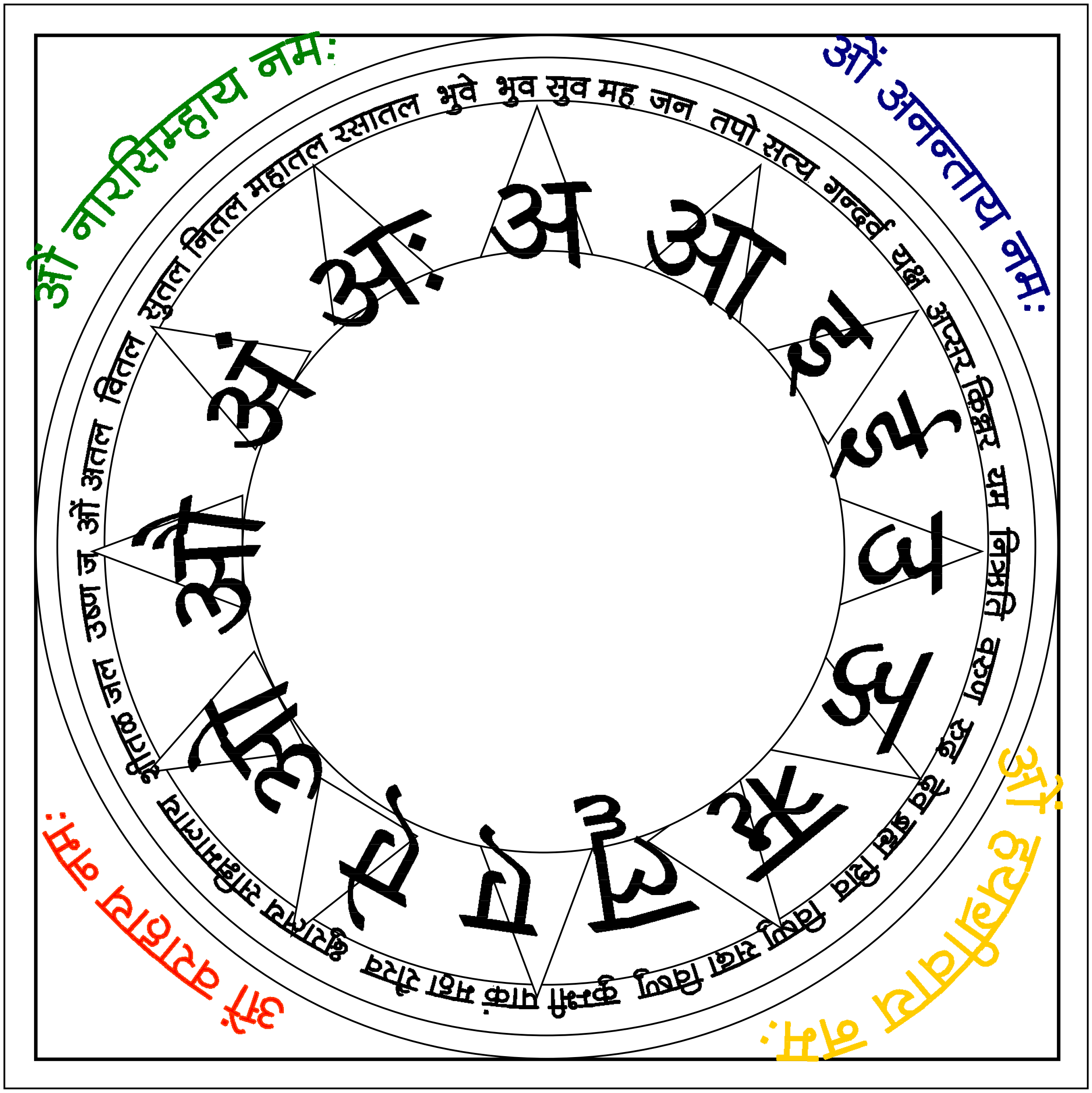

ॐ नारसिम्हाय नमः
ॐ अनन्ताय नमः
भुवे भुव सुव मह जन तपो सत्य गन्दर्व यक्ष अप्सर किन्नर
रसातल महातल नितल सुतल वितल अतल ॐ
उष्ण जल शीतल
अ आ अः अं औ

लता वीथिः द्वाराणि

ओं जयाय नमः। ओं विजयायनमः

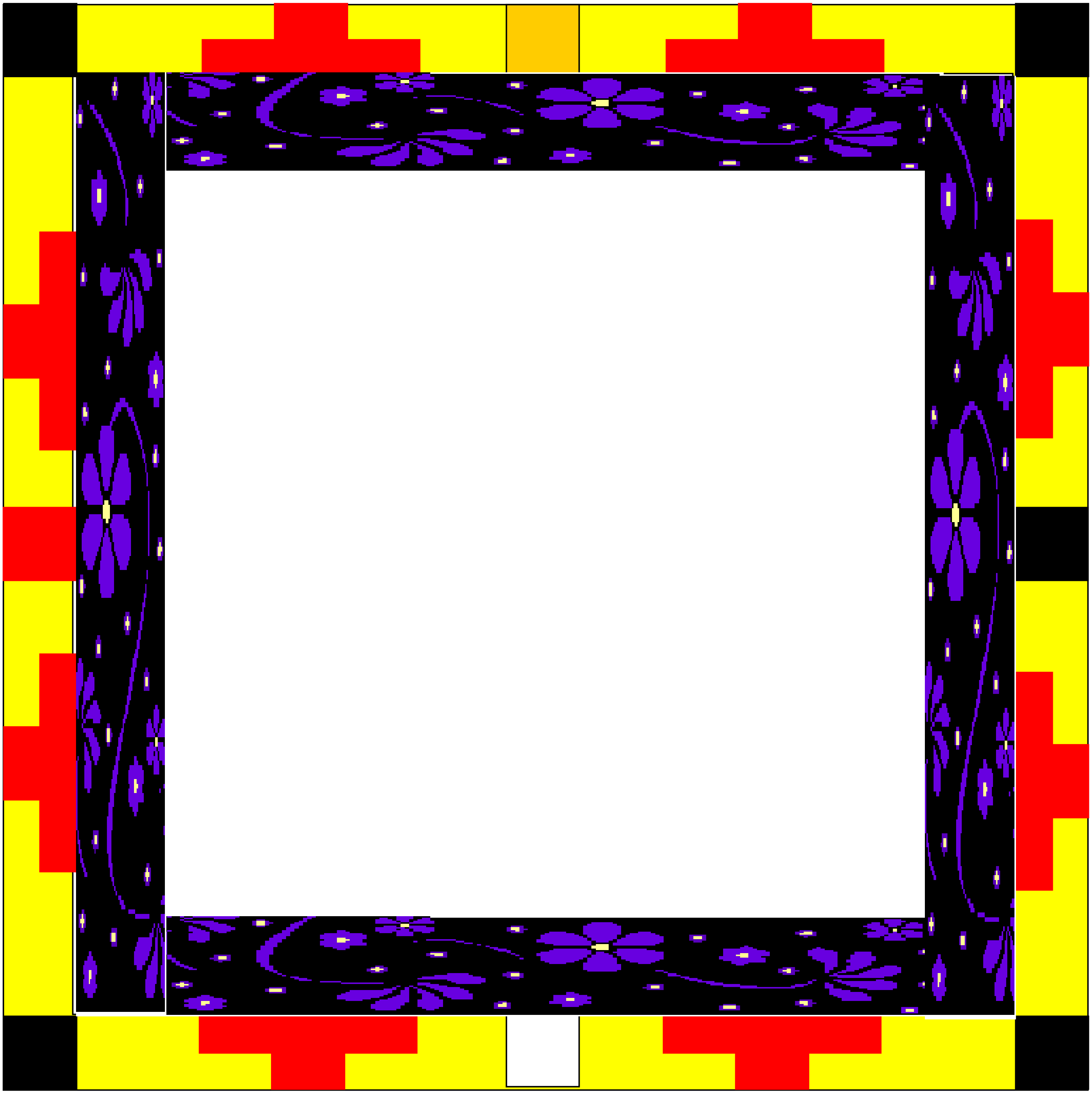

ओं चण्डाय नमः ओं प्रचण्डाय नमः

श्री चक्राब्ज मण्डलं

– श्री रामन् भट्टाचार्य

३०, सितम्बर, २००४